C.B.S.E

कक्षा : 10

विषय : हिंदी 'अ'

निर्धारित समय : 3 घंटे

अधिकतम अंक : 80

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं- क, ख, ग, और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।

खंड - क

[अपठित अंश]

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर

लिखिए :

(1×2=2) (2×4=8) [10]

महात्माओं और विद्वानों का सबसे बड़ा लक्षण है- आवाज़ को ध्यान से सुनना। यह आवाज़ कुछ भी हो सकती है। कौओं की कर्कश आवाज़ से लेकर नदियों की छलछल तक। मार्टिन लूथर किंग के भाषण से लेकर किसी पागल के बड़बड़ाने तक। अमूमन ऐसा होता नहीं। सच यह है कि हम सुनना चाहते ही नहीं। बस बोलना चाहते हैं। हमें लगता है कि इससे लोग हमें बेहतर तरीके से समझेंगे। हालांकि ऐसा होता नहीं। हमें पता ही नहीं चलता और अधिक बोलने की कला हमें अनसुना करने की कला में पारंगत कर देती है। मनोवैज्ञानिक ने अपने अध्ययन में पाया कि जिन घरों के अभिभावक ज्यादा बोलते हैं, वहाँ बच्चों में सही-गलत से जुड़ा स्वाभाविक ज्ञान कम विकसित हो

पाता है, क्योंकि ज्यादा बोलना बातों को विरोधाभासी तरीके से सामने रखता है और सामने वाला बस शब्दों के जाल में फँसकर रह जाता है। बात औपचारिक हो या अनौपचारिक, दोनों स्थिति में हम दूसरे की न सुन, बस हावी होने की कोशिश करते हैं। खुद ज्यादा बोलने और दूसरों को अनसुना करने से जाहिर होता है कि हम अपने बारे में ज्यादा सोचते हैं और दूसरों के बारे में कम। ज्यादा बोलने वालों के दुश्मनों की भी संख्या ज्यादा होती है। अगर आप नए दुश्मन बनाना चाहते हैं, तो अपने दोस्तों से ज्यादा बोलें और अगर आप नए दोस्त बनाना चाहते हैं, तो दुश्मनों से कम बोलें। अमेरिका के सर्वाधिक चर्चित राष्ट्रपति रूजवेल्ट का अपने माली तक के साथ कुछ समय बिताते और इस दौरान उनकी बातें ज्यादा सुनने की कोशिश करते। वह कहते थे कि लोगों को अनसुना करना अपनी लोकप्रियता के साथ खिलवाड़ करने जैसा है। इसका लाभ यह मिला कि ज्यादातर अमेरिकी नागरिक उनके सुख में सुखी होते, और दुख में दुखी।

1. अनसुना करने की कला क्यों विकसित होती है?
2. अधिक बोलने वाले अभिभावकों का बच्चों पर क्या प्रभाव पड़ता है और क्यों?
3. अधिक बोलना किन बातों का सूचक है?
4. रूजवेल्ट की लोकप्रियता का क्या कारण बताया गया है?
5. अनुच्छेद का मूल भाव तीन-चार वाक्यों में लिखिए।
6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए।

खंड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए:

1×4=[4]

(क) वह दुबला-पतला ताकतवर है। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ख) नीचे गिरने के कारण फूलदान टूट गया। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ग) गली में शोर होने पर सब लोग बाहर आ गए। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(घ) वह बाजार गया, क्योंकि उसे पुस्तकें खरीदनी थीं। (रचना की दृष्टि से वाक्य का प्रकार बताइए।)

प्र. 3. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का परिचय दीजिए: 1x4=[4]

(क) मैं पिछले साल उसे खारघर में मिला था।

(ख) माँ ने पुत्र को बुरी तरह मारा।

(ग) परिश्रम सफलता की कुंजी है।

(घ) रमा पत्र लिखती है।

प्र. 4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए: 1x4=[4]

1. भूकंप-पीड़ितों को सहायता दी। (भाववाच्य में बदलिए)

2. उज्जैनवासियों द्वारा इस सभा का आयोजन किया जाता है। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

3. मैं इतनी गरमी में सो नहीं सकता। (भाववाच्य में बदलिए)

4. माता ने बच्चों को प्यार किया। (कर्मवाच्य में बदलिए)

प्र. 5. निम्नलिखित काव्यांशों में प्रयुक्त रस पहचानिए: 1x4=[4]

1. धुरी भरे अति सोभित स्यामजू, तैसी बनी सर सुंदर चोटी।

2. हाय राम कैसे झेलें हम अपनी लज्जा अपना शोक
गया हमारे ही हाथों से अपना राष्ट्र पिता परलोक

3. देख यशोदा शिशु के मुख में, सकल विश्व की माया
क्षणभर को वह बनी अचेतन, हिल न सकी कोमल काया

4. बाल-दसा-सुख निरखि जसोदा, पुनि-पुनि नन्द बुलावति।
अँचरा तर लै ढाँकि, 'सूर' के प्रभु कौ दुध पियावति॥

खंड - ग

[पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पुस्तक]

प्र. 6. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2+2+2=[6]

शीला अग्रवाल ने साहित्य का दायरा ही नहीं बढ़ाया था बल्कि घर की चारदीवारी के बीच बैठकर देश की स्थितियों को जानने-समझने का जो सिलसिला पिता जी ने शुरू किया था, उन्होंने वहाँ से खींचकर उसे भी स्थितियों की सक्रिय भागीदारी में बदल दिया। सन् 46-47 के दिन...वे स्थितियाँ, उसमें वैसे भी घर में बैठे रहना संभव था भला? प्रभात-फेरियाँ, हड़तालें, जुलूस, भाषण हर शहर का चरित्र था और पूरे दमखम और जोश-खरोश के साथ इन सबसे जुड़ना हर युवा का उन्माद। मैं भी युवा थी और शीला अग्रवाल की जोशीली बातों ने रगों में बहते खून को लावे में बदल दिया था। स्थिति यह हुई कि एक बवंडर शहर में मचा हुआ था और एक घर में। पिता जी की आज़ादी की सीमा यहीं तक थी कि उनकी उपस्थिति में घर में आए लोगों के बीच उठूँ-बैठूँ, जानूँ-समझूँ। हाथ उठा-उठाकर नारे लगाती, हड़तालें करवाती, लड़कों के साथ शहर की सड़कें नापती लड़की को अपनी सारी आधुनिकता के बावजूद बर्दाश्त करना उनके लिए मुश्किल हो रहा था तो किसी की दी हुई आज़ादी के दायरे में चलना मेरे लिए। जब रगों में लहू की जगह लावा बहता हो तो सारे निषेध, सारी वर्जनाएँ और सारा भय कैसे ध्वस्त हो जाता है, यह तभी जाना और अपने क्रोध से सबको थरथरा देने वाले पिता जी से टक्कर लेने का जो सिलसिला तब शुरू हुआ था, राजेंद्र से शादी की, तब तक वह चलता ही रहा।

1. देश की स्थितियों को समझने-जानने की प्रेरणा लेखिका को किसने दी?
2. 'सन् 46-47' के दिनों में क्या था?
3. 'खून को लावे में बदल दिया' का क्या आशय है?

प्र. 7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 2x4=[8]

1. शहनाई की दुनिया में डुमराँव को क्यों याद किया जाता है?
2. नवाब साहब ने बहुत ही यत्न से खीरा काटा, नमक-मिर्च बुरका, अंततः सूँघकर ही खिड़की से बाहर फेंक दिया। उन्होंने ऐसा क्यों किया होगा? उनका ऐसा करना उनके कैसे स्वभाव को इंगित करता है?
3. इस आत्मकथ्य में लेखिका के पिता ने रसोई को 'भटियारखाना' कहकर क्यों संबोधित किया है?
4. शहर के मुख्य बाज़ार में प्रतिमा किसने लगवाई थी और उस प्रतिमा की क्या विशेषता थी?
5. फ़ादर की मृत्यु किस प्रकार हुई? लेखक उनकी मृत्यु से संतुष्ट क्यों नहीं था?

प्र. 8. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 2+2+2=[6]

यश है न वैभव है, मान है न सरमाया
जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया।
प्रभुता का शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है,
हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।
जो है यथार्थ कठिन उसका तू कर पूजन-
छाया मत छूना मन, होगा दुख दूना।

1. कवि जीवन में क्या कुछ पाने के लिए दौड़ता फिरा?
2. उपर्युक्त काव्य-पंक्तियों में कवि ने किसे मृगतृष्णा कहा है?
3. 'हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है' - का आशय स्पष्ट कीजिए।

प्र. 9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 2x4=[8]

1. उद्धव द्वारा दिए गए योग के संदेश ने गोपियों की विरहाग्नि में घी का काम कैसे किया?
2. बच्चे की मुसकान और एक बड़े व्यक्ति की मुसकान में क्या अंतर है?
3. फसल को 'हाथों के स्पर्श की गरिमा' और 'महिमा' कहकर कवि क्या व्यक्त करना चाहता है?
4. संगतकार के माध्यम से कवि किस प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाह रहा है?
5. कविता में वस्त्रों और आभूषणों को शाब्दिक-भ्रम क्यों कहा गया है?

प्र. 10. निम्नलिखित पूरक पुस्तिका के प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर

लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए। 3x2=[6]

1. साना साना हाथ जोड़ि रचना प्रदूषण के कारण स्नोफॉल में कभी का जिक्र किया गया है, प्रदूषण के कौन-कौन से दुष्परिणाम सामने आए हैं लिखें।
2. बच्चे बारात का जुलूस किस प्रकार निकालते थे?
3. 'कोई भी नाक फिट होने काबिल नहीं निकली'- कथन के व्यंग्य को स्पष्ट करें।

खंड - घ

[लेखन]

प्र. 11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 200 से 250 शब्दों में निबंध

लिखिए:

[10]

- जीवन में गुरु का महत्त्व
- बढ़ती प्रदूषण समस्या और उसके समाधान

प्र. 12. निम्न विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लेखन करें। [5]
गलत जन्मतिथि में सुधार करने के संबंध में शिक्षाधिकारी को 80 से 100 शब्दों में प्रार्थना पत्र लिखिए।

अथवा

आपका छोटा भाई पढ़ाई में बिलकुल ध्यान नहीं दे रहा है। वह न तो विद्यालय में पढ़ता है और न घर पर। इस बार परीक्षा में उसके अंक भी बहुत कम आए हैं। अतः पढ़ाई का महत्त्व समझाते हुए 80 से 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

प्र. 13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 25 से 30 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए। [5]

1. साइकिल का विज्ञापन तैयार कीजिए।
2. आरोग्य सेवा संबंधी एक वैद्य द्वारा दिए गए विज्ञापन का प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए: